सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 151 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 8 जुलाई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

किसी से किसी भी तरह की प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता नहीं है। आप स्वयं में जैसे हैं एकदम सही हैं। खुद को स्वीकारिये।

-ओशो

पीएम मोदी अनपढ़ और आरएसएस... 7 | सियासत के रंग: चाचा को चित करते... 3 | ईडी के दस्तावेज से भाजपा का झूठ... 2

खेतों में पहुंचे राहुल, किसानों के चेहरों पर बिखरी मुस्कान

- सुबह-सुबह हरियाणा के सोनीपत गए कांग्रेस नेता
- खेतों में रोपे धान, ट्रैक्टर भी चलाया
- लोगों ने इस अंदाज को सराहा
- भाजपा बोली- सब राजनीति के लिए है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अपने नए-नए अंदाज से राजनीति की सुर्खियों में रहने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बार फिर जनता की जुबां पर चढ़ गए हैं। इसबार वह किसानों के बीच में पहुंचे हैं। उनका खेतों रोपाई करने वाला एक वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है। उनके इस अंदाज को लोग सराह रहे हैं। हालांकि उनके इस कदम को भाजपा नाटक और राजनीति बताकर किनारा कर रही है। पर जो भी हो राहुल गांधी जानते हैं कि भारत गांवों का देश और यहां पर करोड़ों किसान रहते हैं। कहीं न कहीं उनकी नजर इस वोट बैंक को साधने पर भी है। गौरतलब हो कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी हरियाणा के सोनीपत दौरे पर हैं। सोनीपत में सुबह-सुबह राहुल अचानक किसानों के बीच पहुंच गए। सुबह 7:00 बजे गांव मदिना व बरोदा में किसानों के साथ मिलकर राहुल गांधी ने धान लगाया। उनके पहुंचते ही लोगों की भीड़ वहां जमा हो गई और सभी अपना काम छोड़कर उनसे मिलने के लिए आने लगे। राहुल गांधी जब किसानों के बीच पहुंचे तो उन्होंने ट्रैक्टर चलाया। इस दौरान, किसान भी उनके साथ ट्रैक्टर पर नजर आए। राहुल खेतों में धान भी रोपते नजर आए, खेत में काम करते हुए उन्होंने वीडियो भी शूट करवाया। इस दौरान, खेतों में मौजूद किसान भी काफी खुश नजर आ रहे थे।

किसानों से की बातचीत, जाना हाल

इस दौरान, राहुल खेत में मौजूद किसानों से बातचीत करते हुए भी नजर आए, आज सुबह की बारिश के कारण खेतों में पानी भी भरा था, लेकिन राहुल पेंट ऊपर चढ़ाकर किसानों से मिलने के लिए खेत में ही पहुंच गए। राहुल गांधी ने गांव की महिलाओं और लोगों से बातचीत की। लोगों ने भी उनसे अपने मुद्दे साझा किए। उन्होंने ट्रैक्टर चलाकर खेत की जुताई भी की। इस दौरान किसानों और खेत मजदूरों के साथ खेती-किसानी पर बातचीत भी की। राहुल ने किसानों के साथ ही बैठकर नाश्ता भी किया। राहुल गांधी दिल्ली से शिमला जा रहे थे। वे जीटी रोड पर कुंडली बॉर्डर पहुंचे तो किसानों के बीच जाने का प्रोग्राम बना लिया और सोनीपत के ग्रामीण इलाके का रुख कर लिया।

गांधी के आने की पहले से नहीं थी सूचना : विधायक नरवाल

राहुल गांधी के सोनीपत खेत में रुकने का पता चलते ही बरोदा से कांग्रेस विधायक इंदूराज नरवाल और गोहाना के विधायक जगबीर मलिक भी वहां पहुंचे। नरवाल ने कहा कि उनके पास राहुल गांधी के आने की सूचना नहीं थी, लेकिन जैसे ही ग्रामीणों से उनको इस बारे में पता चला तो वे मिलने आ गए। गोहाना से कांग्रेस विधायक जगबीर मलिक ने कहा कि इलाके का सौभाग्य है कि राहुल गांधी यहां पहुंचे हैं। वह यह देख रहे हैं कि एक गांवों में खेती का क्या तरीका है। किसान किस तरीके से धान लगाता है। इसमें उन्हें क्या परेशानियां आ रही हैं।

सोनीपत का बरोदा कांग्रेस का गढ़

बता दें कि गांव मदीना सोनीपत के ग्रामीण हलके बरोदा का हिस्सा है। बरोदा हलके से वर्तमान में कांग्रेस के इंदूराज नरवाल उर्फ भालू विधायक हैं। उन्होंने उप चुनाव में भाजपा के योगेश्वर दत को हराया था। पूरा बरोदा क्षेत्र कांग्रेस का गढ़ है और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के गृह क्षेत्र रोहतक से सटा हुआ है।

हिंसा के बीच बंगाल पंचायत चुनाव में वोट डालने निकले लोग

- जगह-जगह सियासी दलों के कार्यकर्ताओं में मारपीट
- नौ लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए व्यापक हिंसा के बाद राजनीति भी गरमा गई है। बीजेपी समेत अन्य विपक्षी दलों ने ममता सरकार पर जमकर हमला बोला है। शनिवार सुबह सात बजे से मतदान जारी है। ग्राम पंचायत, जिला परिषद व पंचायत समिति की करीब 64,000 सीटों के लिए मतदान शुरू होते ही विभिन्न जिलों से भारी हिंसा और बूथ लूटने जैसी खबरें लगातार सामने आ रही है।

कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर चुनाव के लिए 822 कंपनी केंद्रीय बलों की तैनाती के बावजूद मतदान शुरू होने से पहले बीती रात से लेकर अब तक हिंसा में नौ लोगों की मौत की खबर है, जबकि दर्जनों लोग बम- गोली से जख्मी हुए हैं। बंगाल के ग्रामीण इलाकों की 73,887 सीटों पर सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ और 5.67 करोड़ लोगों ने लगभग 2.06 लाख उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला किया। सुबह 11 बजे तक 22.6 फीसदी मतदान हुआ।

नौ ने जान गंवाई

पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए मतदान जारी है। इस दौरान आधी रात से हुई हिंसा में नौ लोगों की मौत हो गई। मारे गए लोगों में टीएमसी के पांच सदस्य, भाजपा, सीपीआई (एम) और कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता और एक निर्दलीय उम्मीदवार के समर्थक शामिल थे।

राज्यपाल ने घायल लोगों से की मुलाकात

बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने उत्तर 24 परगना जिले के विभिन्न इलाकों का दौरा किया और हिंसा में घायल हुए लोगों से मुलाकात की और मतदाताओं से बातचीत की। उन्होंने बताया कि कूचबिहार जिले के फलीमारी ग्राम पंचायत में भाजपा के पोलिंग एजेंट माधव विश्वास की कथित तौर पर हत्या कर दी गई।

मतपेटी में फेंका गया पानी, मतदान स्थगित

बंगाल पंचायत चुनाव के लिए मतदान जा रही है। इस दौरान दिनहाटा के इंद्रेश्वर प्राथमिक विद्यालय में मतपेटी में पानी फेंक दिया गया, जिससे बाद मतदान स्थगित कर दिया गया। मुर्शिदाबाद व कूचबिहार जिला, जो पिछले पंचायत चुनावों के दौरान हमेशा हिंसा का केंद्र रहा है, मतदान के पहले व इसके शुरू होने के कुछ मिनटों के भीतर ही वहां फिर से बड़े पैमाने पर हिंसा देखी गई।

टीएमसी और पुलिस की मिली भगत से हो रही हिंसा : शुभेंदु अधिकारी

भाजपा नेता बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान हो रही हिंसा को लेकर टीएमसी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव नहीं मौत है। अधिकारी ने कहा, पूरे राज्य में हिंसा की आग लगी हुई है। केंद्रीय बलों को तैनात नहीं किया गया है। सीसीटीवी काम नहीं कर रहे हैं। यह मतदान नहीं बल्कि लूट है...यह टीएमसी के गुंडों और पुलिस की मिलीभगत है। इसीलिए इतनी हत्याएं हो रही हैं।

वोटर लिस्ट पर सपा रखेगी नजर : अखिलेश

» लोकसभा चुनाव की तैयारियों में तेजी से जुटी समाजवादी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी का कहना है कि प्रशिक्षण शिविर पर विराम लगा कर पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारियां में तेजी से जुटी है। सपा के राष्ट्रीयय सचिव राजेंद्र चौधरी का कहना है कि कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर व यात्राओं के आगे के कार्यक्रम भी जल्द ही तय होंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष नियमित तौर पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। अलग-अलग कार्यक्रम भी चल रहे हैं। पार्टी कार्यालय पर सपा मुखिया आए दिन अलग-अलग लोकसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर उनकी अपेक्षाएं समझने में जुटे हैं। जमीनी हकीकत की सही तस्वीर मिले इसलिए केवल चुनिंदा पदाधिकारियों को बुलाने के बजाय प्रमुख कार्यकर्ता भी इन बैठकों का हिस्सा बनाए जा रहे हैं।

अब तक एक दर्जन से अधिक लोकसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक हो चुकी हैं। इस क्रम को सभी कार्यकर्ताओं संग संवाद तक जारी रखा जाएगा। बैठक का मुख्य फोकस जनता के बीच निरंतर उपस्थिति बनाए रखने और आपसी समन्वय को बढ़ाने के संदेश पर है। बैठक में शामिल रहे एक जिलाध्यक्ष का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सबसे अधिक जोर वोटर लिस्ट को लेकर सतर्कता पर है। हमारे कोर वोटरों के नाम न कटने पाए, इसके लिए लगातार सक्रिय रहना है। हम लोग पोलिंग बूथ के गठन और वोटर लिस्ट की प्रक्रिया पर नजर भी गड़ाए हैं। बूथों के गठन के साथ ही जातीय जनगणना के मुद्दे को नीचे ले जाने के लिए भी जनसंपर्क करने को कहा गया है।

जमीनी समीकरण जानने की कवायद

समाजवादी पार्टी का हर जिले में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के अभियान पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। खीरी और सीतापुर के बाद अब तक किसी और जिले का कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। हालांकि, इस बीच सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लोकसभावार रणनीति के लिए फीडबैक पर काम तेज किया है। अलग-अलग लोकसभा के कार्यकर्ताओं को प्रदेश कार्यालय पर बुलाकर वहीं के जमीनी समीकरण जानने की कवायद हो रही है। मार्च में हुई सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी ने कुछ संगठनात्मक कार्यक्रम तय किए थे। इसमें 15 जून तक बूथ स्तर तक संगठन का गठन, हर जिले में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर के आयोजन जैसे अभियान शामिल थे। हालांकि, अभी कई जिलों में संगठन के गठन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। पिछले महीने से जिलों में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शुरू हुआ था।

5 और 6 जून खीरी और 9-10 जून को सीतापुर में पार्टी के दो दिवसीय कार्यक्रमों में अखिलेश यादव भी मौजूद रहे। इसके अलावा अखिलेश ने इन जिलों में लोक जागरण यात्रा की भी शुरुआत की। जातीय जनगणना जैसे मुद्दों पर जमीन तैयार करने के लिए इन यात्राओं का रूट इस तरह से तय किया गया था कि जिले के अधिकतर लोकसभा क्षेत्र कवर हो जाएं। उस समय अखिलेश ने हर जिले में इस यात्रा को जारी करने की बात कही थी। हालांकि, सीतापुर के बाद गाड़ी आगे नहीं बढ़ पाई है।

अल्पसंख्यक सभा के अध्यक्ष तय

सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष शकील नदवी ने कुछ जिलों और महानगरों के अध्यक्ष तय किए हैं। हाजी नूर हसन चौधरी को गाजियाबाद, शम्स आलम को गोरखपुर, अकबर खान को नोएडा, नियाज अहमद को उन्नाव, दिलशाद सिद्दीकी को बनारस व मोहम्मद अफजाल को लखीमपुर का जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

सपा के साथ हमारा साथ मजबूत : रालोद

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले राजनीतिक दलों को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं इस समय चरम पर हैं। सबसे ज्यादा चर्चा में इस समय राष्ट्रीय लोकदल है। इसके लेकर तमाम अफवाहें, अंदेशे चल रहे हैं। चर्चा है कि रालोद प्रमुख जयंत चौधरी लोकसभा चुनाव में भाजपा के पाले में खड़े हो सकते हैं। हालांकि जयंत कई बार यह कह चुके हैं कि उनका सपा के साथ गठबंधन है और पूरी तरह से मजबूत है। यहां तक कि उनकी पत्नी चारु ने भी यह कहा कि वह चवन्नी नहीं है जो पलट जाएं। जयंत ने एक के बाद एक दो ट्वीट करके फिर एक नई बहस छेड़ दी। उनके 'खिचड़ी, पुलाव, बिरयानी या खीर को लोग अपने-अपने ढंग से परिभाषित कर रहे हैं। खीर को लोग सत्ता से जोड़ रहे हैं तो बिरयानी, खिचड़ी को विपक्ष से। सवाल फिर उठा कि क्या वह भाजपा के साथ जा रहे हैं या अपने गठबंधन को मजबूत करने का इशारा कर रहे हैं। कहीं वह भी तो खीर खाने के लिए लालायित होने का इशारा तो नहीं कर रहे हैं। हालांकि इस बारे में रालोद प्रदेश मीडिया संयोजक सुनील रोहटा कहते हैं कि यह कोरी अफवाह है। विपरीत परिस्थितियों में भी 2014, 2019 के लोकसभा चुनाव और 2017 एवं 2022 का विधानसभा चुनाव में समान विचारधाराओं के मानने वाले दलों के साथ मिलकर ही रालोद ने गठबंधन में चुनाव लड़ा। 17 जुलाई को बंगलुरू में होने जा रही विपक्ष की बैठक में भी जयंत शामिल होंगे। पिछली बैठक में वह देश के बाहर होने के कारण नहीं जा पाए थे।

'आदिवासी हैं देश के मालिक'

» उन पर लागू नहीं होते नागरिकता के कानून, यूसीसी का करेंगे विरोध : आदिवासी संगठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन में दलित एवं आदिवासी समाज के कई संगठनों के साथ ही जयस संगठन ने भी समान नागरिक संहिता के विरोध को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। आदिवासी संगठनों की मांग थी कि आदिवासी समाज देश का मालिक है, इसलिए उन पर नागरिकों के कानून लागू नहीं होते जिसके चलते उन्हें यूसीसी से अलग रखा जाए। गौरतलब है कि देश में इन दिनों समान नागरिक संहिता कानून अर्थात यूसीसी की चर्चा लगातार जोरों पर है।

कई आदिवासी संगठनों के पदाधिकारियों के साथ ही जयस (आदिवासी संगठन) ने मिलकर जिला कलेक्टर को समान नागरिक संहिता कानून लागू करने के विरोध में ज्ञापन सौंपा। जयस के साथ ही आदिवासी संगठनों ने मांग की है कि उन्हें यूसीसी कानून से अलग रखा जाए। क्योंकि समान नागरिक संहिता लागू होने से पहले उनकी जो जमीनें हैं वे सिर्फ आदिवासी ही ले सकते थे, जो कि अब अंबानी और अडानी जैसे लोग भी खरीद सकते हैं। और आदिवासियों को जमीन विहीन कर सकते हैं।

सिख समाज की मांगे करेंगे पूरी: कमलनाथ

» बोले- शिवराज सरकार के रोके ग्रांट फिर जारी करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। सिख समाज जनसेवा के प्रति समर्पण भाव रखने वाला समाज है। इस समाज के लोग अपने त्यौहारों जैसे बैसाखी, लौहड़ी, सिख गुरु साहेबान के गुरुपर्व बड़े ही धूमधाम से मनाते हैं और बड़ी उत्सुकता के साथ बिना भेद-भाव के बड़े-बड़े लंगरों का आयोजन कर लोगों की सेवा पूर्ण निष्ठा और समर्पण भाव से करते हैं। कांग्रेस सरकार आने पर उनकी मांगों को दृष्टिगत रखते हुए सिख समाज के साथ न्याय किया जाएगा। मप्र कांग्रेस कौमी एकता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सचप्रीत सिंह (सच सलूजा) ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए सिख समाज की ओर से विभिन्न समस्याओं को पीसीसी चीफ के सामने रखा।

बैठक में तीर्थ दर्शन में जोड़े गए सिख धार्मिक स्थलों की यात्रा पुन: प्रारंभ करने, प्रदेश के विभिन्न गुरुद्वारा साहेब को दी गई ग्रांट जो भाजपा सरकार ने रोक दी थी, उसे फिर से शुरू करने, खालसायी खेल गतका को स्कूल गेम्स में शामिल करने, सिख समुदाय के सिकलीगर बच्चों के लिए शिक्षा व स्किल डेवलपमेंट कोर्स शुरू करने, कांग्रेस संगठन में सिख समाज को हिस्सेदारी देने और आगामी चुनाव में सहभागिता व सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित करने और विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

टाइटलर के खिलाफ चार्जशीट पर फैसला 19 जुलाई को

नई दिल्ली। 1984 में हुए सिख दंगा मामले पर कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ दायर सीबीआई की चार्जशीट पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने संज्ञान पर आदेश को सुरक्षित रख लिया है। साथ ही इस मामले को 19 जुलाई 2023 के लिए सूचीबद्ध किया है। कोर्ट ने कहा कि कड़कड़डूमा कोर्ट से जो इस मामले के रिकॉर्ड लाए गए हैं। वो सभी काफी ज्यादा हैं। ऐसे में केस को पढ़ने में ज्यादा समय लगेगा। इसके लिए वक्त चाहिए। वहीं दूसरी तरफ कोर्ट के बाहर जगदीश टायटलर के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई।

भाजपा के हर हथकंडे से रहें सतर्क

कमलनाथ ने कहा कि चार महीने बाद विधानसभा के चुनाव होना है। भाजपा सरकार हर हथकंडे को अपनाकर आप लोगों को भ्रमित कर गुमराह करने का प्रयास करेगी। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि कांग्रेस सरकार आने ने आप सभी की समस्याओं का ध्यान रखा जाएगा और आपकी जो भी मांगे हैं उसे कांग्रेस वचन में शामिल कर उसे पूरा किया जाएगा। आप सभी कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाने में पूरी निष्ठा से जुट जाए और किसी भ्रमजाल का शिकार न हों।

ईडी के दस्तावेज से भाजपा का झूठ बेनकाब : आप

» सिसोदिया की संपत्ति जब्ती पर मचा बवाल

» सिसोदिया को किया जा रहा बदनाम : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की संपत्ति को ईडी द्वारा जब्त करने के बाद राजनीतिक घमासान मच गया है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि ईडी के दस्तावेज ने भाजपा के झूठ को बेनकाब कर दिया है। ईडी ने सिसोदिया की महज 16 लाख की संपत्ति ही जब्त की है, वहीं उनकी पत्नी सीमा सिसोदिया की 65 लाख की संपत्ति अटैच की है। दोनों की मिलाकर कुल संपत्ति 80 लाख की ही है, जबकि भाजपा ने कहा कि सिसोदिया की संपत्ति जब्त होने के बाद शराब घोटाले में उनकी संलिप्तता साबित हो गई है, इसलिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उन्हें आम आदमी पार्टी से निष्कासित कर देना चाहिए।

कांग्रेस ने भी आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री को जब मनीष सिसोदिया के खिलाफ कुछ नहीं मिला तो ईडी के जरिये उनको बदनाम करना शुरू कर दिया। ईडी झूठी खबरें चलवा रही है कि मनीष सिसोदिया की 52 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई, जबकि ईडी ने कुल 80 लाख की संपत्ति जब्त की है, वह भी 2018 के पहले की है, जब एक्साइज नीति नहीं बनी नहीं थी। उनकी पूरी संपत्ति एक नंबर की है। आप नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा व प्रधानमंत्री की ओर से सिसोदिया के बारे में झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं। सिसोदिया की करोड़ों की संपत्ति जब्त करने का दावा किया जा रहा है, जबकि तीन जुलाई के ईडी के ऑर्डर के अनुसार ये प्रॉपर्टी उन्होंने खुद दिखाई थी। पार्टी के अन्य नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि ईडी को मनीष सिसौदिया के खिलाफ कुछ नहीं मिला है। अगर करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है तो उसमें से कुछ तो मनीष सिसौदिया के पास होना चाहिए।

असलियत सामने आई : कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस ने कहा कि दिल्ली को नशे की राजधानी बनाने की साजिश रचने वाले मनीष सिसोदिया सहित अन्य आरोपियों की 52 करोड़ की प्रॉपर्टी को ईडी द्वारा जब्त करने के बाद उनकी असलियत सामने आ गई है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री के शामिल होने का सबूत : सचदेवा

प्रदेश भाजपा ने कहा कि मनीष सिसोदिया की संपत्तियों की जब्ती से शराब घोटाले में उनकी संलिप्तता साबित हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि इस मामले में सभी जांच एजेंसियां खास कर प्रवर्तन निदेशालय संबंधित न्यायालय के प्रति जवाबदेह है और ठोस सबूत होने पर ही किसी की संपत्ति जब्त करेगा। इसके अलावा इस प्रकरण से अरविंद केजरीवाल के लगातार कोई शराब घोटाला नहीं होने के दावे की हवा निकल गई है। अब उन्हें बताना चाहिए कि अगर कोई शराब घोटाला नहीं हुआ तो संपत्ति की जब्ती क्यों हो रही है।

सियासत के रंग: चाचा को चित करते भतीजे

» महाराष्ट्र से लेकर यूपी तक दिखी है जंग

» विरासत की लड़ाई टूट तक आई

» रिश्तों पर सियासी महत्वाकांक्षा पड़ी भारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कहते है सियासत में रिश्ते भी सियासी होते हैं। राजनीति की रपटीली राह पर रिश्ते कोई मायने नहीं रखते हैं। हालांकि ऐसे रिश्तों के बीच में मार्यादा की हल्की सी डोर होती है जो बांधे रहती है पर बात जब विरासत की आती है तो ये कब टूट जाते हैं पता नहीं चलता। इन रिश्तों के टूटने का सबसे कारण जो समझ में आता है वो होता है महत्वाकांक्षा। राजनीति में सबसे ज्यादा अगर बगावत होती है तो वह चाचा-भतीजे के बीच में।

वर्तमान में महाराष्ट्र में शरद पवार की एनसीपी इसी टूट का शिकार हो गई है जिसमें भतीजे अजित पवार ने चाचा को नजर अंदाज करके उनके खून पसीने से सींचीं हुई पार्टी को तोड़कर पार्टी पर अपना दावा ठोंक दिया है। ऐसा नही है कि केवल शरद पवार व अजित पवार में यह तल्खी उभरी है। इससे पहले बाल ठाकरे-रात ठाकरे, गोपीनाथ व संजय मुंडे, शिवपाल व अखिलेश तथा पशुपति नाथ व चिराग पासवान के बीच में भी इसी तरह के मनमुटाव आए और उनकी राहें जुदा हो गई हालांकि यूपी में बाद में चाचा शिवपाल व भतीजे अखिलेश यादव में सुलह हो गई।

शरद पवार और अजित पवार

ये भारतीय राजनीति के कुछ सबसे सफल चाचा-भतीजे की जोड़ियों में थी लेकिन अब ये जोड़ी टूट चुकी है। किसी परिवार विशेष के नियंत्रण में चलने वाली पार्टियों में इस तरह की टूट देखने को मिलती ही मिलती हैं। खासकर तब जब वक्त अगली पीढ़ी को विरासत सौंपने का आता है। हर बार टूट की कहानी तकरीबन एक जैसी होती है- महत्वाकांक्षाओं का टकराव, भेदभाव के आरोप। वहीं दलीलें कि योग्य हैं मगर वो सबकुछ नहीं मिल रहा जिसके हकदार है, क्योंकि किसी के सगे बेटे नहीं हैं या सगे भाई नहीं हैं। कभी चाचा की ये शिकायत रहती है तो कभी भतीजे की। अजित पवार ने भी शरद पवार पर यही आरोप लगाया है कि उनका हक मारा गया, अगर वह किसी अन्य के पेट से जन्मे तो इसमें उनका क्या कसूर। आइए नजर डालते हैं सियासत में चाचा-भतीजे की कामयाब जोड़ियों और उनकी टूट पर।

शिवपाल-अखिलेश

समाजवादी पार्टी में भी चाचा-भतीजे में टकराव इतना बढ़ा कि दोनों की राहें जुदा हो गईं। मुलायम सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी की बुनियाद रखी और उनके भाई शिवपाल यादव ने अपनी मेहनत से पार्टी को सींचा, आगे बढ़ाया। पार्टी में उनका एक अलग ही कद था, रुतबा था। लेकिन अखिलेश यादव की सियासत में एंट्री के कुछ साल बाद परिवार में खींचतान बढ़ने लगा। 2012 के यूपी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को पहली बार अपने दम पर स्पष्ट बहुमत मिला। मुलायम सिंह यादव ने तब सबको चौंका दिया जब उन्होंने खुद के बजाय बेटे अखिलेश के मुख्यमंत्री बनने का ऐलान किया। बाद में जब बढ़ती उम्र और सेहत की वजह से मुलायम की सक्रियता घटी तो पार्टी में अंदरखाने उत्तराधिकार की जंग छिड़ गई। शिवपाल यादव खुद को मुलायम सिंह यादव का उत्तराधिकारी के तौर पर देख रहे थे तो अखिलेश खुद को। 2017 में यूपी की सत्ता से सपा के बाहर होने के बाद ये जंग और तीखी हो गई। बात इतनी बिगड़ गई कि 2018 में शिवपाल ने बगावत कर दी। %प्रगतिशील समाजवादी पार्टी% नाम से एक अलग दल बनाया। लेकिन सपा से अलग होकर शिवपाल सियासत में कोई छाप नहीं छोड़ पाए और आखिरकार सपा में लौट आए। यहां भी चाचा पर भतीजा भारी पड़ा और अखिलेश यादव सपा के निर्विवाद नेता के तौर पर और मजबूती से स्थापित हुए।

पशुपति नाथ पारस-चिराग पासवान

महाराष्ट्र में ठाकरे और पवार परिवार, यूपी में मुलायम सिंह यादव फैमिली, पंजाब में बादल परिवार की तरह ही बिहार में पासवान परिवार भी चाचा-भतीजे की सियासी जंग देखने को मिली। लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक रामविलास पासवान के निधन के बाद उनकी पार्टी टूट गई। 8 अक्टूबर 2020 को पासवान के निधन के बाद उनके भाई पशुपति नाथ पारस और बेटे चिराग पासवान के बीच सियासी उत्तराधिकार की जंग छिड़ गई। पार्टी दो हिस्सों में बंट गई- लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) और राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी। लोजपा (रामविलास) की कमान चिराग पासवान के हाथ में तो राष्ट्रीय लोजपा की कमान पशुपतिनाथ पारस के हाथ में। 2020 के विधानसभा चुनाव में खुद को मोदी का हनुमान बताने वाले चिराग पासवान तो तब बड़ा झटका लगा जब उनके चाचा पशुपति पारस को मोदी सरकार में मंत्री बना दिया गया। अब स्थितियां फिर बदली हैं। कयास लग रहे हैं कि चिराग पासवान को मोदी मंत्रिपरिषद में जगह मिल सकती है और चाचा की मंत्री पद से छुट्टी हो सकती है।

बाल ठाकरे-राज ठाकरे

महाराष्ट्र इससे पहले भी सियासत में चाचा-भतीजे की धमक और बाद में सुपरहिट जोड़ी के अलाव का गवाह रह चुका है। ये जोड़ी थी शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे और उनके भतीजे राज ठाकरे की। लेकिन ये जोड़ी भी टूट गई। राज ठाकरे बाल ठाकरे के छोटे भाई श्रीकांत ठाकरे के बेटे हैं। उनकी मां कुंदा ठाकरे बाल ठाकरे की पत्नी मीना ठाकरे की सगी बहन हैं। यानी उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे न सिर्फ चचेरे भाई हैं बल्कि मौसेरे भाई भी हैं। राज ठाकरे ने शिवसेना की स्टूडेंट विंग भारतीय विद्यार्थी सेना की लॉन्चिंग के साथ सियासत में एंट्री ली। 1990 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उन्होंने धुआंधार और आक्रामक प्रचार किया। जल्द ही शिवसेना में उनका कद बाल ठाकरे के बाद नंबर दो का हो गया। राज ठाकरे की भाषण शैली हो या हिंदुत्व और मराठी अस्मिता के मुद्दे पर उनका आक्रामक अंदाज, वह अपने चाचा की कॉर्बन कॉपी जैसे थे। सियासी गलियारों में उन्हें बाल ठाकरे के स्वाभाविक उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जाने लगा। लेकिन जब चचेरे भाई उद्धव ठाकरे को ज्यादा तरजीह मिलने लगा तब नवंबर 2005 में राज ठाकरे ने शिवसेना छोड़ने का ऐलान कर दिया। मार्च 2006 में उन्होंने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का गठन किया। बाल ठाकरे के निधन के बाद उद्धव और राज के साथ आने की अटकलें जरूर लगीं लेकिन परिवार एक नहीं हो सका।

प्रकाश सिंह बादल-मनप्रीत सिंह बादल

महाराष्ट्र के बाल ठाकरे और राज ठाकरे की तरह ही पंजाब में प्रकाश सिंह बादल और मनप्रीत बादल के रूप में चाचा-भतीजे की जोड़ी कभी बहुत हिट रही थी। मनप्रीत सिंह बादल पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के दिग्गज नेता प्रकाश सिंह बादल के भाई गुरदास सिंह बादल के बेटे हैं। 1995 में मनप्रीत पहली बार विधायक बने। अकाली दल के टिकट पर 2007 तक लगातार 4 बार विधायक चुने गए। 2007 में पंजाब की प्रकाश सिंह बादल सरकार में वित्त मंत्री भी बने लेकिन धीरे-धीरे बादल फैमिली में भी खींचतान शुरू हो गई। पार्टी में प्रकाश सिंह बादल के बेटे सुखबीर सिंह बादल को ज्यादा तवज्जो मिलने से मनप्रीत असहज होते गए और कुछ मुद्दों पर पार्टी के आधिकारिक रुख के खिलाफ खुलकर बोलने भी लगे। अक्टूबर 2010 में उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में अकाली दल से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। उसके बाद मनप्रीत सिंह बादल ने 2011 में पीपल्स पार्टी ऑफ पंजाब नाम से एक नई पार्टी बनाई। 2012 के पंजाब चुनाव में वह दो सीटों से लड़ें लेकिन दोनों पर ही हार का सामना करना पड़ा। 2016 में मनप्रीत ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया। कैप्टन अमरिंदर सरकार में भी वह मंत्री रहे। लेकिन जनवरी 2023 में उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। फिलहाल मनप्रीत बादल बीजेपी में हैं।

नीतीश-तेजस्वी, दिलचस्प है ये जोड़ी

सियासत में चाचा-भतीजे की जोड़ी की बात हो और नीतीश कुमार-तेजस्वी यादव का नाम न आए, ऐसा कैसे हो सकता है। दोनों में भले ही खून का रिश्ता न हो, लेकिन दोनों की जोड़ी अब चाचा-भतीजे के तौर पर ही चर्चित है। नीतीश बिहार के मुख्यमंत्री हैं तो तेजस्वी यादव उप मुख्यमंत्री। दोनों के रिश्तें काफी उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। कभी कट्टर सियासी दुश्मन तो कभी सियासी हमराह। कभी एक दूसरे का जबरदस्त विरोध तो कभी एक साथ आना। फिलहाल दोनों साथ में हैं। आरजेडी संस्थापक लालू प्रसाद यादव के बेट तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव जेडीयू नेता नीतीश कुमार को चाचा कहकर संबोधित करते हैं। जब रिश्तों में तल्खी आती है तो नीतीश चाचा पलटूराम हो जाते हैं और जब सियासी मजबूरी दोनों को साथ लाती है तो वह चाचाजी हो जाते हैं। बीजेपी के नेता महाराष्ट्र में सियासी खेल के बाद बिहार में भी खेला होने के दावे कर रहे हैं। रेलवे नौकरी घोटाले में तेजस्वी यादव के खिलाफ चार्जशीट दाखिल के बाद ये सवाल उठने लगे हैं कि कहीं चाचा नीतीश की अंतरात्मा एक बार फिर जगने तो नहीं वाली है? कहीं तेजस्वी के चाचाश्री फिर पलटूराम चाचा तो नहीं बनने वाले हैं?

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नवाचार से बढ़ेगी बेरोजगारी !

आज पूरी दुनिया में तकनीक बदल रही है। नये-नये नवाचार आ रहे हैं। कृत्रिम बौद्धिकता का दौर है। जीवन की रोजमर्रा की बस्तुओं तक पर इन बदलावों को असर हो रहर है। ऐसे में आधुनिक काल में नययुवाओं को पढ़ाई, कमाई और कौशल को लेकर सही दिशा देने की जरूरत है। कई सारे सर्वे बताते हैं कि देश-विदेश में 2030 तक जो नौकरियां होंगी, उनमें से 80 प्रतिशत का फिलहाल वजूद ही नहीं है। संकेत साफ है कि अगले सात साल में नौकरियों के बाजार में काफी फेरबदल होने वाला है। ऐसा मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केबढ़ने से नौकरियों पर असर पड़ेगा। सर्वे में कहा गया है इससे लाखों नौकरियां जा सकती हैं। टीवी चैनलों की दुनिया में वर्चुअल न्यूज एंकर के अवतार से कितने ही अनुभवी न्यूज एंकरों की जीविका खतरे में पड़ सकती है। बगैर ड्राइवर के कैब, पायलट रहित विमान की दिशा में अनुसंधान तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। चैट जीपीटी जैसे ऐप बौद्धिकता को चुनौती के लिए तैयार हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमता की दिशा में तेजी से बढ़ता अनुसंधान निकट भविष्य में लाखों नौकरियों के लिए खतरा है, पर अब भी कौशल का कोई तोड़ नहीं है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से भिडने में कौशल का हथियार ही काम आएगा।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती रफ्तार में उन तकनीकी कौशल को सीखना होगा जहां यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारगर न हो। चैट जीपीटी' जैसे एप्लीकेशन से जुड़े ऐप पर कई जगह प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बदले संस्थानों को चाहिए कि वे अपने छात्रों को इस एप्लीकेशन के साथ जुडने और उससे अपने कौशल को बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित करें। शैक्षणिक संस्थानों को छात्रों को किताबी ज्ञान देने पर जोर देने के बजाय कौशल को लेकर उनमें सही सोच बिठाने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। मिसाल के तौर पर हमारे देश में मेडिकल व टेक्निकल उच्च शिक्षा पर बहुत ज्यादा खर्च होता है, जिसकी वजह से ऐसी पढ़ाई करना हर किसी के बूते की बात नहीं। इसलिए स्कूली शिक्षा से ही कौशल की पढ़ाई सही समय पर कमाई का कारगर जरिया है। कर्ज लेकर उच्च शिक्षा की पढ़ाई करने वालों की बजाय जो विद्यार्थी बिना कर्ज लिए खुद को हुनरमंद बनाते हैं, वे अपने शिक्षकों और साथी छात्रों के मजबूत नेटवर्क के साथ आगे बढ़ते हैं। कौशल पाना ही व्यावहारिक पढ़ाई है। कुशलता अर्जित करने का दृष्टिकोण छात्रों को व्यावहारिक दिशा देता है। वे जो भी सीखते हैं, उसका इस्तेमाल वास्तविक समस्याओं को दूर करने में काम आता है। कुशलता होने पर रोजगार मिलने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

“ सर्वे में कहा गया है इससे लाखों नौकरियां जा सकती हैं। टीवी चैनलों की दुनिया में वर्चुअल न्यूज एंकर के अवतार से कितने ही अनुभवी न्यूज एंकरों की जीविका खतरे में पड़ सकती है। बगैर ड्राइवर के कैब, पायलट रहित विमान की दिशा में अनुसंधान तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। चैट जीपीटी जैसे ऐप बौद्धिकता को चुनौती के लिए तैयार हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मणिपुर के जख्मों पर मरहम लगाने का वक्त

गुरबचन जगत

पिछले दो महीनों से ज्यादा वक्त से मणिपुर उबाल पर है और लगता है नफरत का ज्वालामुखी अभी भी आग और जहर उगल रहा है। मैं वहां कुछ वक्त रहा हूं (2008-13) और वहां की खूबसूरत वादियों, पहाड़ों और वन अंचल की यादें अभी भी जहन में ताजा हैं। मैं अभी भी वहां की वनस्पति व प्राणियों की मौजूदगी महसूस करता हूं वहीं लोकतक झील का सुरम्य अक्स अभी भी आंखों के सामने घूमता है। किसी और से ज्यादा, वहां के लोग, जोकि नाना जनजातियों का गुलदस्ता है और जिनकी जीवनशैली, रिवाज और धर्म अलहदा हैं, स्मृति में हैं। वहां लगता है मानो वक्त ठहर चुका है और अपने पुरखों की भांति लोग सरल जिंदगी जीते हैं। छोटे नगरों और इम्फाल में आधुनिकता के कुछ चिन्ह जरूर दिखाई देते हैं, वरना शेष परिदृश्य ठिठके हुए समय-सा है।

मणिपुर में आप समय की धुंध में खो जाते हैं और बाकी जगह पर व्याप्त जिंदगानी की तेज दौड़-भाग बिसर जाती है। एक समाज, जिसका पुराने तौर-तरीकों से नयों की ओर रूपांतर बहुत धीमा है, जहां भारतीय प्रशासन के वजूद का अहसास शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में ज्यादा दिखने की बजाय तैनात सुरक्षा बलों की दृश्यावली से अधिक होता है। अधिकांशत: अपने हाल पर छोड़ दिए जाने के कारण, ग्रामीण मणिपुर अभी भी अपनी पुरानी रिवायतों को जिंदा रखे हुए है, चाहे यह कला एवं शिल्प हो, जड़ी -बूटियों का प्राचीन ज्ञान हो या विरासती लोकगीत-नृत्य या मंदिर शैली अथवा जनजातीय विभेद। वे शांतिप्रिय लोग, जिनका तसव्वुर आज भी मेरे जहन में, रिवायती परिधान पहनकर अपने इष्ट की उपासना के लिए मंदिर या चर्च जाते हुओं का है, उन्हें हो क्या गया है? मानो एक लावा है, जो पिछला सबकुछ लील गया है। हालांकि उनकी मौलिक प्रवृत्ति हमेशा दिखाई देती थी, सतह के नीचे व्याप्त आपसी जनजातीय विद्वेष सदा धधकता प्रतीत होता था और जनजातीय लोगों ने अपने-अपने इलाके भी चिन्हित कर रखे थे और वे इसका पालन करते थे, हालांकि कुछ जगहों पर अंतर-प्रवास भी रहा है। यही वे इलाके हैं, जो मौजूदा हिंसा का सर्वप्रथम निशाना बने।

यहां मैं किसी पर अंगुली उठाने या इल्जामबाजी में नहीं पड़ना चाहूंगा। आज मैं घटनास्थल से काफी दूर हूं और वही जान पा रहा हूं, जितना और जो मीडिया दिखाना चुने। नहीं मालूम कि यह क्रिया है या प्रतिक्रिया, इरादतन है या अनजाने में हुआ कृत्य। क्या

कार्यपालिका की असफलता है या न्यायापालिका का अतिरेक जो भी है, इसने 'लड़ने को उद्यत श्वान' खुले छोड़ दिए, परिणाम में कत्लोगारत हुआ और अभी भी जारी है। एक बार फिर, चूंकि वास्तविक आंकड़ों तक मेरी पहुंच नहीं है, इसलिए मीडिया खबरों के मुताबिक सौ से ज्यादा लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए हैं, हजारों घर और कई गांव जला या तोड़ दिए गए, संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। पशुधन, जोकि जीवनयापन का महत्वपूर्ण जरिया है, पक्का है वह भी लुट चुका होगा। लगता है सरकारी संपत्ति भी निशाना बनी है। जो तथ्य तमाम तर्कों को झुठलाता है, वह यह कि सूबे भर में थाने और पुलिस शस्त्रागारों को निशाना बनाया गया और हजारों बंदूकें और भारी मात्रा में गोलियां लूट ली गई हैं। यह काम तो पंजाब, जम्मू-कश्मीर में, दिल्ली और गुजरात में सबसे बदतर स्थिति में भी नहीं हुआ था। इस लिहाज से, वर्दीधारी हो या आम नागरिक, यह बात किसी की भी समझ से बाहर है। मुझे यकीन है लूटे गए हथियार बलवाइयों के बहुत काम के रहे। लगता है सरकार की बारम्बार अपीलों के बावजूद लुटे शस्त्रों में अधिकांश वापस नहीं किए गए। भविष्य में भी इनसे राज्य में सुरक्षा बलों को खतरा बना रहेगा।

अब बात उन हजारों लोगों की, जिन्होंने न केवल अपने परिजनों को खोया है बल्कि अपने घर, पशुधन और जीवनयापन का जरिया भी। हजारों लोग बेघर हुए हैं और वादी और पहाड़ों के गांव वालों को पड़ोसी सूबे या अस्थाई शरणार्थी शिविरों में पनाह लेनी पड़ी है। शायद कुछ लोग सीमा पार करके म्यांमार भी चले गए हों। जो कुछ हिंसा की पहली लहर में बचा भी होगा वह भी बाद में अवश्य खत्म हो गया होगा। आनन-फानन में बनाए गए शरणार्थी शिविरों में हालात कहां रहने लायक होंगे। जो सरकार सुरक्षा के सबसे मूलभूत चिन्ह यानि थाने को नहीं बचा पाई, उससे गुणवत्तापूर्ण राहत शिविरों की अपेक्षा कहां हो सकती है। मुझे नहीं मालूम कि राज्य प्रशासन का हुक्म फिर से कहां तक कायम हो पाया है और क्या राहत शिविरों में गतिविधियों की निगरानी करने के काबिल है या नहीं? यह काम युद्धस्तर पर करना होगा मसलन खाद्य, आश्रय, साफ-सफाई, दवाएं, चिकित्सक इत्यादि का प्रबंध। यह प्रबंधन बहुत बड़ा है और मैं उम्मीद एवं प्रार्थना करता हूं कि राज्य सरकार अपना फर्ज निभाने में खरी उतरे।

युवाओं का तंबाकू की गिरफ्त में आना चिंताजनक

ऋषभ मिश्रा

भारत को युवाओं के संख्याबल के चलते संभावनाओं का देश कहा जाता है। यहां की कुल जनसंख्या में अकेले 22 प्रतिशत यानी लगभग 26.1 करोड़ की जनसंख्या सिर्फ 18 से 29 साल के युवाओं की है, जो कि पाकिस्तान की कुल जनसंख्या से भी ज्यादा है। लेकिन तंबाकू और इससे संबंधित उत्पादों का इस्तेमाल भारत की संभावनाओं का गला घोंटता दिखाई पड़ रहा है। 'ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे' (गैट्स) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लगभग 26.7 करोड़ युवा, जिनकी उम्र 15 वर्ष और उससे अधिक है तथा पूरी युवा जनसंख्या का 29 प्रतिशत है, तंबाकू उत्पादों का सेवन करते हैं। तंबाकू और इससे संबंधित उत्पादों के इस अंधाधुंध उपयोग ने भारत को विश्व में चीन (तीस करोड़) के बाद दूसरे सबसे बड़े तंबाकू उपभोक्ता देश की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी 'डब्ल्यूएचओ' के आंकड़ों के अनुसार वैश्विक स्तर पर तंबाकू के सेवन से सालाना लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु होती है, जिसमें भारत में अकेले 13 लाख लोग इसका शिकार होते हैं। भारत में पुरुषों और महिलाओं में होने वाले कैंसर का क्रमश: आधा और एक-चौथाई कैंसर तंबाकू और इससे निर्मित पदार्थों के सेवन से होता है। अब तक के शोधों के मुताबिक तंबाकू में बेंजीन, निकोटीन, हाइड्रोजन साइनाइड, अल्डीहाइड, शीशा, आर्सेनिक, टार और कार्बन मोनोऑक्साइड आदि जैसे 70 प्रकार के खतरनाक तत्व शामिल होते हैं, जिनका हमारे स्वास्थ्य पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। भारत के राष्ट्रीय कैंसर पंजीकरण के आंकड़ों के अनुसार 2012-16 के बीच कैंसर के कुल मामलों में 27 प्रतिशत प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से तंबाकू से सम्बंधित थे। तंबाकू शरीर के परिवहन तंत्र के संरक्षक हृदय को भी प्रभावित करता है, जिसके कारण कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां और दिल के दौरे की आशंका अधिक बढ़ जाती है। तंबाकू का प्रभाव हमारे मस्तिष्क पर भी बहुत घातक होता है। यह हमारी कल्पना-शक्ति मानसिक चेतना व स्थिरता को भी प्रभावित करता है, जिससे सुस्ती और पक्षाघात जैसी खतरनाक बीमारी के झटके भी आते हैं।

तंबाकू से प्रभावित होने वाले शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में फेफड़ा भी शामिल है। तंबाकू का निरंतर उपयोग हमारे फेफड़ों की कार्यशैली को घटाता है। इससे फेफड़ों का कैंसर तथा 'क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी' बीमारी भी अधिक होती है। आधुनिक तकनीकी युग में ई-सिगरेट की मांग भी भविष्य में होने वाली एक गंभीर समस्या को इंगित करती है। ई-सिगरेट मुख्य रूप से एक औजार है, जिसमें एक द्रव्य को एरोसोल बनाने के लिए गर्म किया जाता है। जिसे तंबाकू उपभोक्ता कश लगाने के लिए प्रयोग में लाते हैं। भले इस पर अभी शोध होने हैं और आंकड़े स्पष्ट नहीं हैं, पर बच्चों द्वारा इसका प्रयोग उनमें हृदय और फेफड़ों की बीमारी को बढ़ावा देता है। तंबाकू और इससे संबंधित उत्पादों ने देश के कई महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को भी अपने चंगुल में फांस लिया है। मनाली, कसौल, शिमला, ऋषिकेश, हरिद्वार और बनारस जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर बड़ी आसानी से लोग तंबाकू का सेवन करते मिल जाएंगे। इनमें विदेशी यात्रियों का प्रतिशत अधिक है और यह हमारे यहां के कमजोर तंबाकू कानूनों के क्रियान्वयन का परिचायक है।

वैसे, भारत ने तंबाकू की भयावहता को बड़ी गंभीरता से लिया है और इसके लिए अनेक ठोस कदम उठाए हैं। भारत में तंबाकू नियंत्रण हेतु 2001 में तंबाकू नियंत्रण अधिनियम पारित किया गया था। फिर वर्ष 2003 में 'सिगरेट एवं तंबाकू उत्पाद अधिनियम' पारित किया गया। जिसे 'कोटपा' भी कहा जाता है। इसका उद्देश्य सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिषेध तथा इसके व्यापार, वाणिज्यिक उत्पादन और वितरण का विनियमन करना था। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तंबाकू के प्रति लोगों को जागरूक बनाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2003 में तंबाकू नियंत्रण पर डब्ल्यूएचओ रूपरेखा समझौता पारित किया। यह समझौता मुख्यत: तंबाकू उत्पादों के अवैध व्यापार को समाप्त करने से संबंधित है। भारत इस समझौते में शामिल है तथा इसने 2016 में ग्रेटर नोएडा में इस प्रोटोकॉल में शामिल पक्षों का एक सम्मेलन कॉप-7 भी आयोजित किया था। तंबाकू नियंत्रण के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह पहला सामूहिक स्वास्थ्य समझौता है, जिसके अंतर्गत तंबाकू और इससे संबंधित उत्पाद बनाने के लिए अनुज्ञप्ति यंत्र-समूह के लिए उचित उद्यम और सुरक्षा शामिल है।

इस समझौते का अनुच्छेद-13 तंबाकू के प्रचार, अनुच्छेद-15 तंबाकू का अवैध व्यापार और अनुच्छेद-16 तंबाकू उत्पादों का अवयस्कों को और विक्रय से संबंधित है। वर्ष 2007-08 में 11वीं पंचवर्षीय योजना के तहत भारत ने राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम भी चलाया, जिसका कुछ सकारात्मक परिणाम देखने को मिला था। तंबाकू के उपभोग से बचने तथा इसके प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 2011 में सरकार के 2009 की अधिसूचना में संशोधन प्रस्तुत करते हुए नियम बनाया, जिसमें तंबाकू उत्पादों पर चार नए चेतावनी चित्रों को शामिल किया गया। आंकड़े बताते हैं कि भारत में उपभोग किये जाने वाले तंबाकू के 69 प्रतिशत हिस्से पर कर नहीं लगाया जाता। करों के माध्यम से तंबाकू की कालाबाजारी अवैध व्यापार और संवर्धन को नियंत्रित किया जा सकता है। तंबाकू प्रभाव निरोध हेतु सिविल सोसायटी की भूमिका भी बहुत महत्वपूर्ण है।

प्रोटीन-आयरन की तरह शरीर के लिए वसा भी जरूरी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है कि हम सभी स्वस्थ और पौष्टिक आहार का सेवन करें, ऐसी चीजें जो कई प्रकार के विटामिन्स, मिनरल्स और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर हों। शरीर को बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए तमाम प्रकार के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, वसा भी उनमें से एक है। हालांकि माना जाता रहा है कि वसा के सेवन से शरीर में चर्बी की मात्रा बढ़ने लगती है। वसा हमारे शरीर के लिए जरूरी है, यह भी दो प्रकार का होता है- हेल्दी फैट और

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में है विशेष भूमिका

हेल्दी फैट को डाइट्री फैट भी कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रकार से यह आपके हृदय को स्वस्थ रखने के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। लेकिन जब आप इसका अधिक मात्रा में सेवन करते हैं तो इसका आपके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। इसलिए सुनिश्चित करें कि आपके आहार में मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैट की मात्रा हो। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा कम कर सकता है।

किन चीजों में होती है हेल्दी फैट की मात्रा?

आहार में कई चीजों के माध्यम से शरीर के लिए आवश्यक हेल्दी फैट की पूर्ति की जा सकती है। स्वाभाविक रूप से फैटी मछलियां जैसे सैल्मन, मैकेरल आदि ओमेगा -3 फैटी एसिड के अच्छे स्रोत हैं। एवोकाडो को हृदय रोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है इसका एक कारण इसमें मौजूद स्वस्थ वसा की मात्रा है। नट्स और सीड्स। ऑलिव ऑयल-बीन्स।

अनहेल्दी फैट। हमें जरूरत होती है हेल्दी फैट की, हालांकि ज्यादातर लोग इसके लाभ से अनजान होते हैं।

हेल्दी फैट क्या होता है?

फैट्स भी एक प्रकार के पोषक तत्व हैं और प्रोटीन-आयरन की तरह ही हमारे शरीर को ऊर्जा प्राप्त करने, विटामिन को अवशोषित करने और हृदय-मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए इसकी आवश्यकता होती है। हेल्दी फैट्स जैसे मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैट्स कई प्रकार के रोगों के जोखिम को कम करने में भी मदद करते है। हम सभी को आहार में ऐसे खाद्य पदार्थों को जरूर शामिल करना चाहिए जो गुड फैट के अच्छे स्रोत हों।

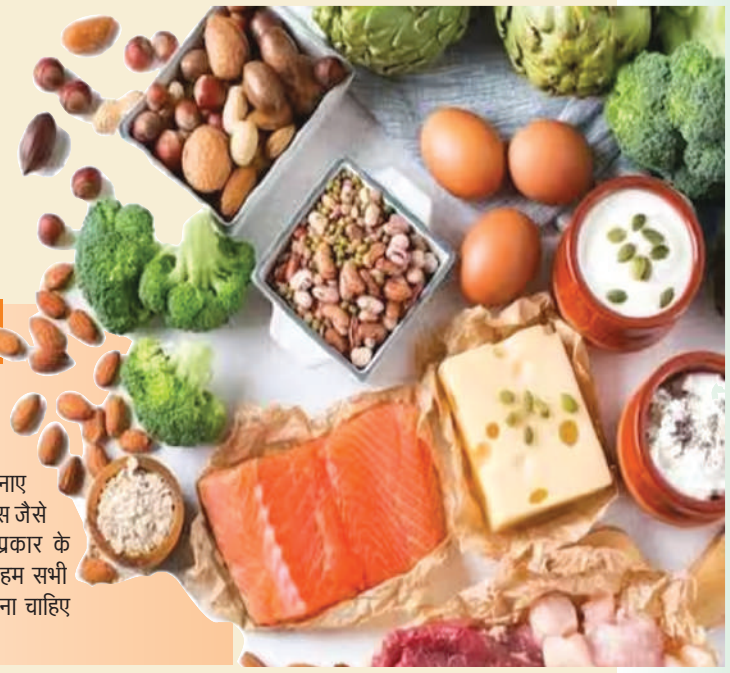

हेल्दी फैट क्यों जरूरी हैं?

जिस प्रकार से मांसपेशियों के निर्माण के लिए प्रोटीन और रक्त की मात्रा को व्यवस्थित रखने के लिए शरीर को आयरन की जरूरत होती है, उसी प्रकार से हमारे लिए हेल्दी फैट भी बहुत जरूरी हैं। आहार में स्वस्थ वसा को शामिल करने से होने वाले लाभ को लेकर किए गए अध्ययनों में पाया गया है कि यह हृदय रोगों के विकास के जोखिम को कम करने, ब्लड कोलेस्ट्रॉल के स्तर में सुधार करने, रक्त शर्करा को नियंत्रण में रखने और शरीर में इंफ्लामेशन को कम करने में मदद करता है।

हंसना मना है

दादी को गीता पढ़ते देख पोते ने अपनी मां से पूछा, मां दादी कौन सी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं? मां - बेटा ये फाइनल ईयर की तैयारी कर रही हैं?

एक बार एक Collector, एक SP, एक मंत्री और एक शिक्षाकर्मी बैठे बातें कर रहे थे। Collector- हम तो इलाके के मालिक होते हैं। जिससे जो मर्ज़ी करवा लें। SP- हम जिसे चाहे अंदर करके ठोक दें। हमारा भी बड़ा रौब होता है। Minister- हमारा तो जलवा है बॉस। हम चाहे कुछ भी करें, कोई माई का लाल कुछ नहीं बोल सकता। शिक्षाकर्मी- हमारा तो जी कोई रौब नहीं होता। सारा दिन बच्चों को मुर्गा बना के कूटते हैं। आगे सालों की मर्ज़ी, Collector बनें, SP बनें, या नेता।

दो चूहे पेड़ पर बैठे थे, नीचे से एक हाथी गुजरा। एक चूहा हाथी पर गिर गया। तभी दूसरा चूहा बोला, दबा कर रख साले को, मैं भी आता हूं।

सात साधु सात चटाई पर बैठे थे, आश्रम में, एक आदमी आया और सबसे बड़े साधु से पूछा- बाबा, बीवी कंट्रोल नहीं होती क्या करूं? साधु (छोटे साधु से) -एक चटाई और लगा भाई के लिए?

कहानी | पिंजरे का बंदर

एक समय की बात है एक शरीफ आदमी एक शहर में रहता था। उसके पास एक बंदर था ,वह बंदर के जरिए अपनी आजीविका कमाता था। बंदर कई तरह के करतब लोगों को दिखाता था। जिससे लोग खुश होते थे और लोग उस पर पैसे फेंकते थे, उन पैसों को बंदर इकट्ठा करके अपने मालिक को दे देता था। एक दिन मालिक बंदर को चिड़ियाघर लेकर गया , बंदर ने वहां पिंजरे में एक और बंदर देखा। लोग उसे देख - देख कर खुश हो रहे थे तथा उसे खाने को फल बिस्किट इत्यादि दे रहे थे। बंदर ने सोचा कि पिंजरे में रहकर भी यह बंदर कितना भाग्यवान है, बिना किसी परिश्रम के ही इसे खाना-पीना मिल जाता है। और हमें इतनी मेहनत करनी पड़ती है। तब जाकर हमें मालिक खाना देता है। एक रात वह बंदर भी भाग कर चिड़ियाघर में रहने पहुंच गया, उसे मुफ्त का खाना और आराम बहुत अच्छा लगा। पर कुछ दिनों में ही बंदर का मन भर गया। उसे अपनी स्वतंत्रता की याद आने लगी, अपनी आजादी वापस चाहता था। वह फिर चिड़ियाघर से भाग कर अपने मालिक के पास पहुंच गया। उसे मालूम हो गया की रोटी कमाना कठिन होता है, किंतु आश्रित होकर पिंजरे में कैद रहना उससे भी कठिन है। अपने पौरुष से ही मनुष्य की महानता है ,मुफ्त की चीजें लोगों को निक्कमी बना देती है। जिंदगी तो अपने दम पर जिया जाता है यारों, दूसरों के कांधों पर तो सिर्फ जनाजे निकलते हैं।

कहानी सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि लालच बुरी चीज है। हमें मुफ्त की चीज देखकर उसकी तरफ आकर्षित नहीं होना चाहिए। मेहनत की कमाई से ही हमें अपना जीवन यापन करना चाहिए क्योंकि मुफ्त की चीजें हमें निक्कमी बना देती हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगा। आपसी विश्वास के सहारे आपके संबंधों में मजबूती आयेगी। मेहनत के परिणाम आपको जल्द ही मिलेंगे।

वृषभ

आज का दिन मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के साथ खूब आनंद में बीतेगा। अपनों का साथ सुख बढ़ाएगा। यह समय मिश्रित परिणाम देगा।

मिथुन

उच्च अधिकारियों से मधुर संबंध बनाकर रखें। आर्थिक मामलों में थोड़ा संभल कर चलें, जरूरत से अधिक खर्च परेशानियां पैदा कर देगा।

कर्क

आज किसी काम को लेकर आपको जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। माता-पिता के साथ आप किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जा सकते हैं।

सिंह

आज आपका काम में मन नहीं लगेगा। आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। आप अपने परिवार के लोगों के साथ आनंद लेंगे।

कन्या

वित्तीय क्षेत्र में उठाए गए कदम सफल होंगे। आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी स्थापित हो सकता है। भूमि क्रय-विक्रय में कमीशन के माध्यम से आर्थिक लाभ होगा।

तुला

आज आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आपके रूके हुए काम किसी सहयोगी की मदद से पूरे हो सकते हैं। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा।

वृश्चिक

आज आप महत्वपूर्ण मामलों को गति देने में सफल रहेंगे। भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आप नये कदम उठायेंगे। लाभ का प्रतिशत उम्मीद से अच्छा रहेगा।

धनु

आपके प्रभाव का दायरा बढ़ेगा और आप कुछ महत्वपूर्ण संपर्क स्थापित करेंगे, जो लंबे समय में फायदेमंद सिद्ध होंगे। वित्तीय क्षेत्र में वांछित लाभ होगा।

मकर

आज आप दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बना सकते हैं। लेकिन किसी जरूरी काम की वजह से आपको प्लान टालना भी पड़ सकता है।

कुम्भ

आज नए अनुभव होंगे। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लग सकता है। आपका कोई नया दोस्त बन सकता है।

मीन

आपको बहुत सावधान और सतर्क रहना पड़ेगा। आपकी सेहत बिगड़ सकती है और आप खुद को विपरीत परिस्थितियों में पा सकते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

'अधूरा' की डरावनी स्क्रिप्ट पढ़कर छूट गये थे मेरे पसीने : रसिका दुग्गल

अधूरा सीरीज से हॉरर जॉनर में किस्मत आजमाने आ रही रसिका दुग्गल और इश्वाक सिंह ने इंटरव्यू में कई बड़े खुलासे किए है। स्टार्स में सेट से घर तक के अपने डरावने एक्सपीरियंस को भी शेयर किया। रसिका ने एक किस्सा भी शेयर किया, जब स्क्रिप्ट पढ़कर ही उन्होंने तय कर लिया था कि इस सीरीज की शूटिंग वह शाम 5 बजे के बाद नहीं करेंगी। रसिका दुग्गल और इश्वाक सिंह प्राइम की वेब सीरीज अधूरा में लीड रोल करते नजर आने वाले हैं। इस दौरन जब स्टार्स से पूछा गया कि क्या शूटिंग के वक्त उन्हें डर लगा? इस पर रसिका ने कहा कि बिल्कुल सेट पर कई सारे डरावने अनुभव किए हैं हमें। वहीं इश्वाक ने खुलासा किया- मेरे साथ कई ऐसी चीजें हुईं जो बहुत चौंकाने वाली थी। इश्वाक ने ये भी बताया कि उन्होंने कई सारे फोटोज के तौर पर सबूत इकट्ठा भी किए हैं, जिन्हें वह धीरे-धारे इंटस्टाग्राम पर शेयर करेंगे। एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने बताया कि उन्हें बहुत डर लगता है। रसिका ने कहा- जब मेरे पास अधूरा कि स्क्रिप्ट आई तो मैं बहुत एक्साइटेड थी। लेकिन जब मैंने उसे पढ़ा तो मेरी हालत खराब हो गई। जितना मैं ऊंटी में शूट को लेकर एक्साइटेड थी उतना ही डरी हुई भी थी। मैंने सोच लिया था कि शाम 5 बजे के बाद इसकी शूटिंग नहीं कर पाऊंगी मैं। रसिका से जब पूछा गया कि पढ़ाई लिखाई में बेहतर करने के बावजूद और छोटी सी जगह से ताल्लुक रखते हुए उन्होंने एक्टिंग फील्ड कैसे चुन लिया?...उनका परिवार रुकावट नहीं बना? इस पर रसिका कहती हैं कि कभी नहीं सोचा की एक्टिंग फील्ड में करियर बनाउंगी। डीयू में पढ़ाई के दौरान थिएटर में मेरी दिलचस्पी बढ़ी और धीरे-धीरे मेहनत करते-करते आज नतीजा सबके सामने हैं।

'सालार' में प्रभास का दिखा एक्शन अवतार

बॉलीवुड | मसाला

धमाकेदार टीजर ने उड़ाए होश

प्रशांत नील के डायरेक्श में बनीं प्रभास स्टारर सालार पार्ट-1 के मच अवेटेड टीजर को रिलीज कर दिया गया है। फिल्म का टीजर प्रशांत के एक्शन यूनिवर्स की हैरान कर देने वाली झलक पेश करता है। लीड किरदार को सभी से परिचित कराने वाले जबरदस्त डायलॉग्स से भरपूर, असल में यह आश्चर्यजनक और सबसे कमाल का टीज़र यह दिखाने में कामयाब हुआ है कि यह हाई बजट वाली भारतीय फिल्म रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तैयार है, जिसकी शुरुआत हो चुकी है।

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को सबसे बड़ी एक्शन फिल्म्स देने वाले निर्देशक प्रशांत नील सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर केजीएफ के पीछे मौजूद एक अहम नाम हैं। ऐसे में निर्देशक ने एक नई दुनिया बनाई है, जो भविष्य में अपनी खुद की विरासत स्थापित करने के लिए कई सीक्वेल को लीड कर सकती है। बड़े पैमाने और शानदार स्टार कास्ट से सजी इस फिल्म के निर्माताओं ने हमें सबसे जबरदस्त टीज़र में सिर्फ कुछ आकर्षक झलकियाँ दिखाई हैं, जबकि उन्होंने मेजर कंटेंट को सिर्फ मेन थिएटर ट्रेलर के लिए संभाल कर रखा है, जो जल्दी रिलीज होगी।

सालार के टीजर की शुरुआत एक ऐसे शख्स से होती है, जो गाड़ी पर बैठा है, और कई सारे लोग उसकी ओर राइफल और हथियार ताने अलग भाषा में बोलते नजर आ रहे हैं। इसके बाद उस शख्स को कहते सुना जाता है, सिंपल इंग्लिश, नो कन्फ्यूजन। आई एम चीता, टाइगर, एलिफेंट, वेरी डेंजरस, बट नॉट इन जुरासिक पार्क, क्योंकि उस पार्क में।...

इतना कहकर वह शख्स शांत हो जाता है। यह शख्स अभिनेता टीनू आनंद हैं, जो सालार में अहम किरदार में नजर आएंगे। वहीं फिर वह प्रभास का नाम लेते हैं, और एक्टर की एक्शन मोड में धुंधली एंट्री होती है। बड़े बजट के साथ, सालार पार्ट 1 अब तक बनी सबसे बड़ी भारतीय फिल्मों में से एक है, जो बाहुबली और केजीएफ फ्रांचीजी जैसी पॉपुलर ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बराबर है। निर्माताओं ने सीन्स को अच्छी तरह से बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, हाई केवल के वीएफएक्स और दिल जीत लेने वाले एक्शन सीन्स को देने के लिए उन्होंने फॉरेन स्टूडियो और स्टंटमैन की खासियत को शामिल किया है।

गोवा पहुंचते ही मोनालिसा पर चढ़ा बोल्डनेस का खुमार

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपनी एक्टिंग से हमेशा ही खुद को साबित किया है। हर दिन एक्ट्रेस का एक नया और पहले से भी ज्यादा सिजलिंग लुक देखने को मिल जाता है। ऐसे में मोनालिसा की फैन फॉलोइंग भी काफी लंबी होती जा रही है। अब फिर से एक्ट्रेस की अदाओं ने मदहोश कर दिया है। इस बार मोनालिसा ने अपनी गोवा डायरीज शेयर की है।

दरअसल, मोनालिसा इन दिनों गोवा में वक्त बिता रही हैं। इस दौरान भी वह फैंस के साथ अपने नए लुक्स शेयर करना नहीं भूलीं। अब उन्होंने अपनी ग्लैमरस अदाएं दिखाते हुए इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में एक्ट्रेस ब्लू कलर की बॉडी टाइट शॉर्ट ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं, जिसके फ्रंट में कट दिया गया है।

फैंस हुए मोनालिसा के दीवाने

मोनालिसा ने अपने इस लुक को न्यूड सटल बेस, पिंक न्यूड लिप्स और स्मोकी आईज से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को ओपन रखा है और ग्लैमरस अदाएं दिखाते हुए कैमरे के सामने पोज दे रही हैं। मोनालिसा की इन अदाओं पर भी फैंस दिल हार बैठे हैं। यूजर्स ने उन्हें हॉट और ग्लैमरस बताते हुए कई कमेंट्स कई कमेंट्स किए हैं।

भोजपुरी | तड़का

वहीं, अब मोनालिसा के वर्क फ्रंट पर गौर करें तो इन दिनों एक्ट्रेस एकता कपूर के सुपरनैचुरल टीवी शो बेकाबू में नजर आ रही हैं। इस शो में बिग बॉस 16 फेम शालीन भनोट को लीड रोल में देखा जा रहा है। मोनालिसा अक्सर अपने इस शो के सेट से भी फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं।

अजब-गजब | अजीबोगरीब फरमान! नियम तोड़ने पर देना पड़ेगा जुर्माना

इस शहर में पहियों वाले बैग्स पर लगा प्रतिबंध

आजकल आप बस में चलिए, ट्रेन में सफर करिए या हवाईजहाज से यात्रा करिए, आपको एक चीज कॉमन नजर आएगी। वो है पहियों वाला बैग। यात्रियों के लिए बैग या सूटकेस उनके सामान रखने का एक जरिया होते हैं पर कंपनियां धीरे-धीरे उन्हें स्टाइलिश भी बनाती जा रही हैं, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग उनसे अट्रैक्ट होकर उन्हें खरीद लें। यही कारण है कि बैग्स में पहिए लगाए गए जो उसे ले जाने में सुविधाजनक बनाते हैं। लोग अक्सर अपने बैग्स को टायरों के जरीए घसीटते हुए ले जाते नजर आ जाते हैं पर यूरोप के एक शहर ने ऐसी सुविधाजनक चीज पर प्रतिबंध लगा दिया है।

न्यूयॉर्क पोस्ट वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार यूरोपियन देश क्रोएशिया के शहर डुब्रॉवनिक अपनी खूबसूरती के लिए फेमस है। शहर काफी पुराना है और यहां की इमारतें, सड़कें, सब प्राचीन अवतार में नजर आती हैं। यहां हर साल लाखों पर्यटक आते हैं। अब सोचिए कि जिस शहर में इतने लोग आएं, वहां उतने ही ट्रैवल बैग्स या सूटकेस भी आते होंगे जिसमें लोग अपना सामान रखकर लाते होंगे। पर डुब्रॉवनिक के प्रशासन ने शहर में पहियों वाले सूटकेस पर ही प्रतिबंध लगा दिया है।

इस अजीबोगरीब फरमान के पीछे विचित्र कारण छुपा हुआ है। दरअसल, शहर की कई गलियां और सड़कें पत्थर की बनी हुई हैं और वही इसे प्राचीन लुक देती हैं। जब पर्यटनक इन सड़कों पर अपने पहियों वाले बैग्स के साथ चलते हैं तो काफी शोर होता है। रात के वक्त भी वहां के लोकल लोगों को ऐसा ही शोर सुनाई देता है जिसकी वजह से वो सो नहीं पाते हैं। बस इसी असुविधा का सामना करने वाले लोगों ने प्रशासन से शिकायत की कि इस समस्या का हल खोजा जाए।

शहर के मेयर मैटो फैंकोविक ने नया नियम लागू कर दिया और शहर में पहियों वाले बैग्स पर ही प्रतिबंध लगा दिया। अगर कोई इस नियम को नहीं मानेगा और बैग लेकर चलता दिखेगा तो उसे जुर्माने के तौर पर 23 हजार रुपये चुकाने पड़ेंगे। ये नियम, रिस्पेक्ट द सिटी मुहिम के तहत बनाया गया है। नवंबर से प्रशासन ये नियम भी बना सकता है कि लोगों को अपने सामान शहर के बाहर ही जमा कर के शहर में आना पड़ेगा। इस तरह लोगों को असुविधा नहीं हुआ करेगी।

अरबपति ने पूरे गांव को किया मालामाल हर परिवार को तोहफे में दिए 57 लाख!

अगर इंसान किसी छोटी सी जगह से उठकर कुछ अच्छा करता है तो ऐसे कम ही लोग होते हैं, जो पुराने लोगों को याद रखें। अक्सर वो अपना मुंह फेर लेते हैं या फिर उस जगह पर जाना भी पसंद नहीं करते हैं। हालांकि दक्षिण कोरिया में रहने वाले एक अरबपति की कहानी इससे बिल्कुल अलग है।

ये कहानी दक्षिण कोरिया के रहने वाले एक अरबपति शख्स की है, जो एक छोटे से गांव से निकलकर इस मुकाम तक पहुंचा। वो बात अलग है कि उसे भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की हवा भी खानी पड़ चुकी है लेकिन फिलहाल उसने जो किया है, वो देश-विदेश में सुर्खियां बना हुआ है। इतनी दरियादिली शायद ही किसी शख्स को आपने अपने गांव के लिए दिखाते हुए देखी या सुनी होगी। दक्षिण कोरिया के प्रॉपर्टी डेवलेपर कंपनी बूयॉन्ग के 82 साल के चेयरमैन ली जोंग क्यून हर तरफ तारीफें बटोर रहे हैं। इसकी वजह है उनका एक ऐसा फैसला, जो आसान नहीं है। उन्होंने अपने गांव उनप्योंग री के लिए करोड़ों का दान दिया है। उन्होंने अपने स्कूल के पूर्व छात्रों को 57-57 लाख रुपये तोहफे के तौर पर दिए हैं। गांव में 280 परिवारों और पूर्व छात्रों को मिलाकर 1596 करोड़ रुपये दिए हैं। जो उनके क्लासमेट्स रह चुके हैं, उन्हें भी पैसे दिए गए हैं। इसके साथ छात्रों को इतिहास की किताबें और टूलसेट भी बांटे गए हैं। कंपनी का कहना है कि ये पैसे आभार जताने के लिए गांव के लोगों को दिए गए हैं। 1941 में ली जोंग क्यून का जन्म इसी गांव में हुआ था। 1970 में उन्होंने रियल एस्टेट डेवलेपर के तौर पर काम शुरू किया था। उनकी कुल संपत्ति आज की डेट में 1.31 लाख करोड़ रुपये है। वे कोरिया के 30 टॉप अमीर लोगों में शुमार हैं। धोखाधड़ी और टैक्स चोरी के मामले में क्यून को साल 2004 और साल 2018 में गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि इससे उनके बिजनेस पर खास असर नहीं पड़ा है।

पीएम मोदी अनपढ़ और आरएसएस के टूल: गोविन्द राम

बोले-मोदी और शाह का सफाया करने को कानून भी हाथ में लेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री गोविन्द राम मेघवाल का एक विवादित बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि आगामी लोकसभा चुनावों में मोदी और शाह का सफाया करने के लिए चाहे कानून हाथ में लेना पड़े, तो लेंगे। मंत्री ने यह बयान जयपुर स्थित प्रदेश मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर टिप्पणी करते हुए मेघवाल ने यह भी कहा कि पीएम मोदी अनपढ़ और आरएसएस के टूल हैं। वे लोकतंत्र के नहीं बल्कि अडानी-अंबानी के प्रधानमंत्री हैं।

शुक्रवार को गुजरात हाईकोर्ट की ओर से मोदी सरनेम केस में राहुल गांधी की सजा बरकरार रखने के बाद कांग्रेस के कई नेता पीसीसी में एकत्रित हुए थे। इसी दौरान मंत्री मेघवाल ने यह विवादित बयान दिया। मेघवाल ने कहा कि कोर्ट के फैसले से न केवल कांग्रेस बल्कि देश की आम जनता में भी नाराजगी है। केन्द्रीय एजेंसियां केन्द्र सरकार के दबाव में काम कर रही हैं। न्यायपालिका ने भी दबाव में यह फैसला दिया है। मेघवाल ने कहा कि जिन धाराओं में देश में आज तक किसी को भी सजा नहीं हुई। उन्हीं धाराओं में राहुल गांधी को अधिकतम सजा सुना दी गई। केन्द्र सरकार के दबाव में न्यायपालिका ने जानबूझकर ऐसा फैसला सुनाया जिससे राहुल गांधी को परेशान किया जा सके।

राहुल गांधी को जेल भेजने की गलती न करे मोदी सरकार

गुजरात हाईकोर्ट की ओर से राहुल गांधी की सजा बरकरार रखे जाने के बाद प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सभा हुई। इसके बाद राहुल गांधी के समर्थन में रैली निकाली गई। इस दौरान कांग्रेस के कई नेताओं ने बीजेपी पर जमकर खीज निकाली। कैबिनेट मंत्री गोविन्द राम मेघवाल ने केन्द्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर केन्द्र सरकार ने गलती से भी राहुल गांधी को जेल भेजने का काम किया तो कांग्रेस के करोड़ों कार्यकर्ता देश की जेलें भर देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का कार्यकर्ता अब चुप नहीं बैठेगा। राजस्थान में 2023 में कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी और 2024 में केन्द्र से मोदी शाह को उखाड़ फेंकेंगे।

ज्योति मौर्या प्रकरण पर बोले सुभासपा अध्यक्ष

पुरुष करें तो रासलीला, महिला करें तो करैक्टर ढीला...

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आजमगढ़। एसडीम ज्योति मौर्या और उनके पति आलोक मौर्या के बीच चल रहे विवाद में अब सियासत की भी एंट्री हो गई है। शुक्रवार को आजमगढ़ जिले के दौरे पर पहुंचे सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने यूपी की महिला एसडीएम ऑफिसर ज्योति मौर्या प्रकरण पर बोलते हुए कहा कि यह कहां का न्याय है। ज्योति मौर्या का समर्थन करते हुए राजभर ने कहा कि पुरुष करें तो रासलीला, महिला करें तो करैक्टर ढीला...यह कहां का न्याय है?

राजभर ने कहा कि देश में लाखों पुरुषों ने महिलाओं को छोड़ा तो कोई बोलने नहीं आया और जब एक महिला ने पुरूष को छोड़ा तो पूरे देश में बवाल मच गया। मीडिया ने जब पूछा कि किसके उपर कार्रवाई होनी चाहिए तो जवाब में ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि कितने पुरुषों पर अब तक कार्रवाई हुई है, जब उन्होंने अपनी पत्नियो को छोड़ा? सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा पर ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि कुछ लोग खाली रहते हैं, इसलिए सोशल मीडिया पर मजा लेने के लिए टीका टिप्पणी करते हैं। दरअसल, ओमप्रकाश राजभर आजमगढ़ में संगठन की समीक्षा करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने ने बताया कि पूर्वांचल के 28 जिलों की समीक्षा की जा रही है। इसके तहत आजमगढ़ को दो भागों में बांटा गया है। इस समीक्षा के तहत जहां-जहां संगठन कमजोर है उसे मजबूत किया जाएगा। जिससे आने वाले समय में पार्टी और संगठन को इसका फायदा मिल सके।

वीडियो बनाओ, इनाम पाओ स्कीम पर भाजपा का हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वीडियो बनाओ, इनाम पाओ स्कीम लॉन्च की थी। इस स्कीम के तहत सरकारी योजनाओं की जानकारी देने वाले और लाभार्थियों को मिलने वाले फायदे के बारे में आकर्षक तरीके से वीडियो बनाने का जिक्र है। ऐसा करने वालों को रोजाना 2.75 लाख रुपये का इनाम दिए जा रहे हैं। यह स्कीम लॉन्च करते ही बीजेपी नेताओं ने इस पर सवाल उठाएं हैं।

बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की वीडियो कॉन्टेस्ट योजना पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जब किसी कंपनी के प्रोडक्ट नहीं बिकते तो वह इस प्रकार की योजना लाती है। राज्य सरकार ने साढ़े चार साल तक जनता के सभी प्रमुख मुद्दों की अनदेखी की। अब योजनाओं का प्रचार प्रसार करने के लिए इस तरह की योजना का सहारा लेकर लोगों को भ्रमित कर रही है। जोशी ने कहा राज्य सरकार प्रोडक्ट बेचने वाली कंपनी बन गई है। प्रदेश की जनता अपराध, भ्रष्टाचार, माफिया राज, अत्याचार और कांग्रेस के झूठे वादों से परेशान है। अगर गहलोत सरकार जनता के प्रति जवाबदेह होती तो इस तरह की स्कीम्स नहीं लानी पड़ती। सरकार अपनी नाकामी छुपाने के लिए यह स्कीम लेकर आई है।

पूरे देश में बारिश का कहर, जानलेवा हो रहीं बूंदें

केरल में 8 की मौत, पहाड़ों पर भूस्खलन से जनजीवन प्रभावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले चार से पांच दिनों में उत्तर भारत में भारी बारिश होने की संभावना है। शनिवार की सुबह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के निवासियों ने भारी बारिश का अनुभव किया, जिससे यह पुष्टि हुई कि शहर में दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय था।

मौसम विभाग ने जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश में आठ से नौ जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। आईएमडी ने कहा, तेज बारिश के लिए तैयार रहें और आवश्यक सावधानी बरतें। शक्रवार रात कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र मध्य प्रदेश और ओडिशा समेत देश के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग केरल के कुछ जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने उत्तर भारत में भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, सात जुलाई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के कोडागु जिले में 23 सेमी बारिश दर्ज की गई, उडुपी जैसे तटीय कर्नाटक जिलों में 18 सेमी बारिश दर्ज की गई, कन्नड़ में 18 सेमी और उप्पिनंगडी में 17 सेमी बारिश हुई।

बालटाल और पहलगाम में दस हजार यात्री फंसे

जम्मू। कश्मीर में लगातार बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा शनिवार को भी दूसरे दिन भी रोक दी गई है। श्रद्धालुओं को आधार शिविर बालटाल और पहलगाम से आगे नहीं जाने दिया गया। इससे दोनों बेस कैंपों में दस हजार से अधिक श्रद्धालु फंसे हुए हैं। यात्रा को लेकर प्रशासन लगातार दिशा-निर्देश जारी कर रहा है। जम्मू कश्मीर में खराब मौसम तथा लगातार बारिश से अमरनाथ यात्रा को दूसरे दिन जम्मू के आधार शिविर भगवती नगर से ही निलंबित कर दिया गया। उधर, बालटाल तथा पहलगाम दोनों ट्रैक से श्रद्धालुओं के सातवें जत्थे को आगे जाने की अनुमति नहीं मिली। मौसम के रुख को देखते हुए प्रशासन यात्रा को लेकर विचार कर रहा है। मौसम विभाग ने चौबीस घंटे तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले शुक्रवार को जम्मू से पहलगाम के लिए गए 4600 यात्रियों के जत्थे को रामबन जिले के चंद्रकोट यात्री निवास में रोक लिया गया। बालटाल रूट के 2639 श्रद्धालुओं को आगे जाने की अनुमति दी गई।

पीवी सिंधु व लक्ष्य का कमाल, टॉप सीडेड खिलाड़ी को देंगे चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कैलगरी। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके यहां कनाडा ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली सिंधु ने महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में फैंग जी को आसानी से 21-13 21-7 से हराया।

यह इस खिलाड़ी के खिलाफ उनकी चार मुकाबलों में पहली जीत है। सेन ने पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जर्मन क्वालीफायर जूलियन कैराग्गी को 21-8, 17-21, 21-10 से हराया।

कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में

नंबर एक खिलाड़ी यामागुची व केंटा से भिड़ेंगे

सिंधु का मुकाबला अब दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी जापान की यामागुची से जबकि सेन का जापान के ही चौथी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से होगा। पीवी सिंधु का जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 है। इन दोनों के बीच पिछला मुकाबला पिछले साल सिंगापुर ओपन में खेला गया था जिसमें जापानी खिलाड़ी ने जीत दर्ज की थी। दूसरी तरफ सेन का निशिमोतो के खिलाफ रिकॉर्ड 1-1 से बराबर है। सिंधु ने फैंग जी के खिलाफ अच्छी शुरुआत की और 5-1 से बढ़त हासिल कर ली। इंटरवल तक भारतीय खिलाड़ी 11-6 से आगे थी। सिंधु ने कोर्ट को अच्छी तरह से कवर किया। फैंग जी ने इसके बाद वापसी की कोशिश की और स्कोर 12-16 कर दिया लेकिन सिंधु ने उन्हें आगे मौका नहीं दिया और पहला गेम आसानी से अपने नाम किया। फैंग जी ने दूसरे गेम के शुरू में 5-1 से बढ़त बनाई लेकिन सिंधु ने जल्द ही वापसी की और इंटरवल तक वह 11-5 से आगे थी। इसके बाद उन्होंने मैच जीतने में देर नहीं लगाई।

शिंदे-शिवसेना को विधानसभा अध्यक्ष का नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में बीते कुछ दिनों से जारी सियासी उथल-पुथल के बीच महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने शिंदे और उद्धव ठाकरे गुट के विधायकों को नोटिस जारी किया है। विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शनिवार को बताया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 40 विधायकों और उद्धव ठाकरे गुट के 14 विधायकों को नोटिस जारी कर विधानसभा सदस्यता से अयोग्यता पर जवाब मांगा गया है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब नार्वेकर ने एक दिन पहले बयान दिया था कि उन्हें भारत निर्वाचन आयोग से शिवसेना के संविधान की एक प्रति मिल गई है और मुख्यमंत्री शिंदे सहित 16 शिवसेना विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर सुनवाई जल्द शुरू होगी। नार्वेकर ने कहा, 'एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना गुट के 40 विधायकों और उद्धव ठाकरे खेमे के 14 विधायकों को नोटिस जारी कर अयोग्यता पर जवाब मांगा गया है। इस सप्ताह की शुरुआत में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने उच्चतम न्यायालय का रुख कर उससे विधानसभा अध्यक्ष को अयोग्यता याचिकाओं पर शीघ्र सुनवाई करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। विधायक सुनील प्रभु ने अविभाजित शिवसेना के मुख्य सचेतक के रूप में पिछले साल उस वक्त शिंदे और अन्य 15 विधायकों के खिलाफ विधानसभा सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने की याचिका दायर की थी, जब शिंदे गुट ने विद्रोह किया था और जून 2022 में राज्य में नई सरकार बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हाथ मिलाया था। शीर्ष अदालत ने 11 मई को अपने फैसले में कहा था कि एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। अदालत ने कहा था कि वह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार को बहाल नहीं कर सकती, क्योंकि शिंदे के विद्रोह के मद्देनजर शिवसेना नेता ने शक्ति परीक्षण का सामना किए बिना इस्तीफा देने का फैसला किया था।

54 विधायकों से अयोग्यता पर मांगा जवाब

शिंदे गुट के 20 विधायक हमारे संपर्क में : आदित्य

» बोले-सीएम एकनाथ से इस्तीफा देने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल विस्तार से कुछ दिन पहले उद्धव ठाकरे के बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के संबंध में बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि सीएम को शिंदे को इस्तीफा देने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि इससे संकेत मिलता है कि अजित पवार और राकांपा के आठ अन्य विधायकों के उनके एक साल पुराने राज्य मंत्रिमंडल में शामिल होने से सीएम की कुर्सी खतरे में पड़ सकती है। अजित पवार वर्तमान में शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में भाजपा के देवेंद्र फडणवीस के साथ उपमुख्यमंत्री का पद साझा करते हैं। आदित्य ठाकरे ने मीडिया से कहा, मैंने सुना है कि मुख्यमंत्री (एकनाथ शिंदे) को इस्तीफा देने के लिए कहा गया है और (सरकार में) कुछ बदलाव हो सकता है। ठाकरे की यह टिप्पणी उन खबरों के बीच आई है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के बागी अजित पवार और उनके समर्थकों के सरकार में शामिल होने के बाद भाजपा एकनाथ शिंदे समूह को दरकिनार कर रही है। हाल ही में शिवसेना के एक वरिष्ठ नेता ने दावा किया था कि राकांपा नेता अजित पवार के राज्य सरकार में शामिल होने के बाद से शिंदे के गुट के करीब 20 विधायक उनकी पार्टी के संपर्क में हैं। राउत ने दावा किया, अजित पवार और राकांपा के अन्य नेताओं के सरकार में शामिल होने के बाद शिंदे खेमे के 17-18 विधायकों ने हमसे संपर्क किया है।

फोटो :4 पीएम

जयंती चंद्रशेखर की जयंती के अवसर पर यशवंत सिंह के आवास पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि करते पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा राजा भैया सहित रामगोविंद चौधरी

हजरतगंज मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहाँ के हजरतगंज मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। वहीं इस बात की जानकारी हजरतगंज एसीपी अरविंद कुमार वर्मा ने दी है।

इसके बाबत उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को बीती रात हजरतगंज मेट्रो स्टेशन को उड़ाने की कॉल आई। दूसरी ओर फोन करने वाले ने अपना नाम रमेश शुक्ला बताया और कहा कि स्टेशन को उड़ाने की योजना बनाई गई है और इसके पीछे बांदा निवासी दिनेश कुमार नाम का व्यक्ति है। वहीं इस सूचना के बाद पूरे मेट्रो स्टेशन की तलाशी ली गई, लेकिन देर रात तक कोई बम नहीं मिला, फिर भी एतिहात के तौर पर जांच चल रही है।

सड़क सुरक्षा की याचिका पर विचार से 'सुप्रीम' इनकार

» कोर्ट ने कहा-राहतें व्यापक एक याचिका में शामिल करना मुश्किल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश में सड़क सुरक्षा के मुद्दे पर दायर एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि मांगी गई राहतें इतनी व्यापक हैं कि इसे न्यायिक रूप से एक याचिका में शामिल नहीं किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति एसके कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि याचिका में उठाए गए अधिकांश मुद्दे तमिलनाडु से संबंधित हैं और याचिकाकर्ता उचित राहत के लिए राज्य उच्च न्यायालय से संपर्क कर सकते हैं।दक्षिणी राज्य के निवासी याचिकाकर्ता ने पीठ को बताया कि उनकी याचिका सड़क सुरक्षा के बारे में है और देश में हर साल पांच लाख से अधिक दुर्घटनाएं होती हैं। जब याचिकाकर्ता ने कहा कि सड़क दुर्घटना के मामलों में किसी को एक ही स्थान पर इलाज नहीं मिल सकता है, तो पीठ ने कहा कि दुर्घटना के मामलों को समन्वित रूप से सुव्यवस्थित किया गया है।

तेलंगाना ने देश के विकास में दिया अहम योगदान : मोदी

6100 करोड़ की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का किया शुभारंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज तेलंगाना को कई बड़ी सौगात दी। वारंगल पहुंचे पीएम मोदी ने विभिन्न कार्यक्रम में शामिल होने से पहले प्रसिद्ध भद्रकाली मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। भाजपा नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण बदलावों के बाद पीएम मोदी का यह पहला तेलंगाना दौरा है।

प्रधानमंत्री ने आज तेलंगाना में 6100 करोड़ की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं में काजीपेट में रेलवे वैगन विनिर्माण इकाई की आधारशिला रखना भी शामिल है, जिसे 500 करोड़ से अधिक की लागत से विकसित किया जाएगा। इस उच्च तकनीक विनिर्माण सुविधा से स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलने और आसपास के क्षेत्रों में सहायक इकाइयों के विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

देश में तेजी से हो रहा है विकास

पुराने बुनियादी ढांचे के आधार पर भारत का तीव्र विकास संभव नहीं था। आज हमारी सरकार पहले से अधिक गति और पैमाने पर काम कर रही है। तेलंगाना एक नया राज्य हो सकता है, लेकिन इसने देश के इतिहास में योगदान दिया है। पीएम मोदी ने कई बड़ी परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद कहा कि आज देश में तेजी से विकास हो रहा है। पीएम ने कहा कि आज का देश युवाओं का देश है और इसके लिए केंद्र सरकार ने कई बड़े कदम उठाए हैं। कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इन 9 सालों की विशेषता रही है कि उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास को अधिक प्राथमिकता दी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।